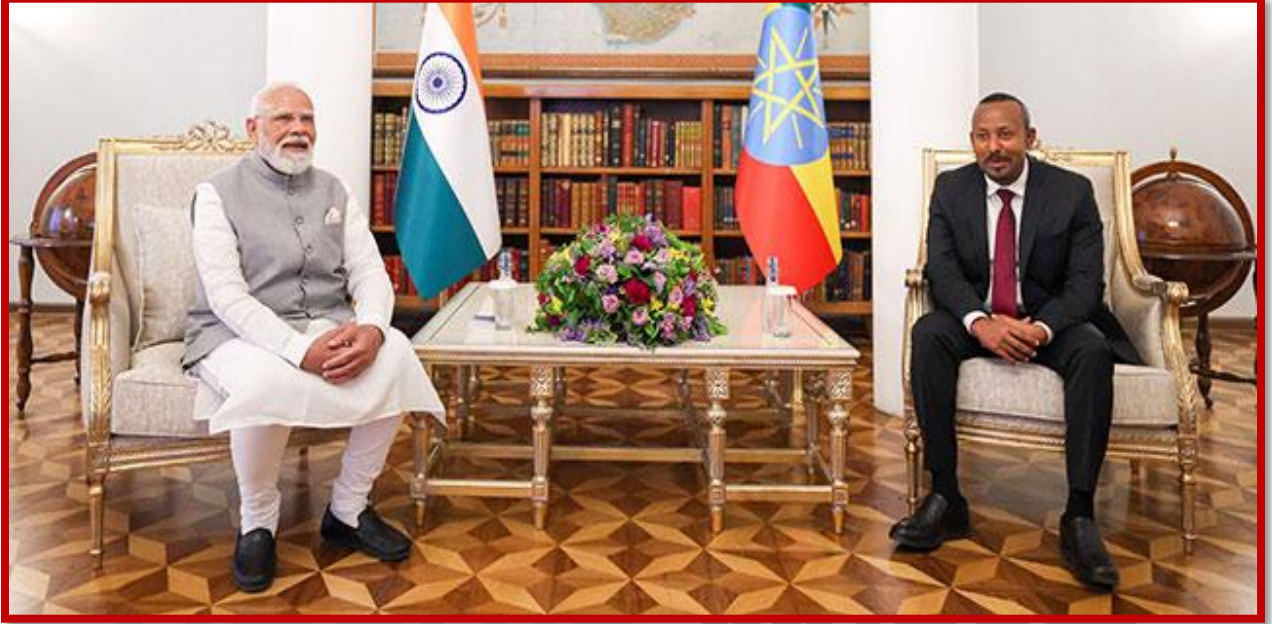


भारत-इथियोपिया संबंध: भारत के अफ्रीका आउटरीच में रणनीतिक गहराई

UPSC प्रासंगिकता: सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र 2: अंतर्राष्ट्रीय संबंध (IR)



चर्चा में क्यों?

भारत और इथियोपिया ने अपने संबंधों को 'रणनीतिक साझेदारी' (Strategic Partnership) के स्तर तक बढ़ा दिया है। इसके साथ ही सीमा शुल्क सहयोग, डेटा बुनियादी ढांचे और संयुक्त राष्ट्र शांति सेना (UN Peacekeeping) पर समझौता ज्ञापनों (MoUs) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह भारत की अफ्रीका और 'ग्लोबल साउथ' (Global South) रणनीति में इथियोपिया के बढ़ते महत्व को दर्शाता है।

पृष्ठभूमि और विकास

भारत-इथियोपिया संबंध गहरे सभ्यतागत और लोगों के बीच आपसी जुड़ाव की नींव पर टिके हैं। इनका इतिहास लाल सागर के माध्यम से अवसुमाइट युग (Aksumite-era) के व्यापार से जुड़ा है। स्वतंत्रता के बाद (1948 से) राजनयिक संबंधों को तब और मजबूती मिली जब भारतीय शिक्षकों ने इथियोपिया की आधुनिक शिक्षा प्रणाली के निर्माण में मदद की, जिससे वहां भारत के प्रति स्थायी सद्भाव पैदा हुआ। हाल के वर्षों में, संबंधों ने रणनीतिक स्वरूप ग्रहण किया है, जिसे निम्नलिखित के द्वारा रेखांकित किया गया है:

- **प्रथम संयुक्त रक्षा सहयोग बैठक (2025):** रक्षा क्षेत्र में सक्रिय जुड़ाव की शुरुआत।
- **रणनीतिक साझेदारी में अपग्रेड:** ICT (सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी), नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा और अंतरिक्ष सहयोग पर विशेष ध्यान।

भारत के लिए इथियोपिया का रणनीतिक महत्व

1. भू-रणनीतिक केंद्र (Geostrategic Hub):

इथियोपिया 'हॉर्न ऑफ अफ्रीका' (Horn of Africa) का एक प्रमुख देश है। इसकी राजधानी अदीस अबाबा में अफ्रीकी संघ (African Union) का मुख्यालय स्थित है, जो इसे भारत की महाद्वीपीय कूटनीति का केंद्र बनाता है।

2. अफ्रीका का प्रवेश द्वार: यह पूर्वी अफ्रीका के साथ भारत के राजनीतिक और आर्थिक जुड़ाव के लिए एक सेतु का कार्य करता है।

3. बहुपक्षीय अभिसरण (Multilateral

Convergence): इथियोपिया की ब्रिक्स (BRICS) सदस्यता और अफ्रीकी संघ में इसकी उपस्थिति भारत के 'ग्लोबल साउथ' के नेतृत्व के दृष्टिकोण के साथ मेल खाती है।

4. आर्थिक क्षमता: 13.5 करोड़ (135 मिलियन) से अधिक की आबादी के साथ, इथियोपिया भारत के लिए एक बड़ा बाजार और विनिर्माण आधार (Manufacturing Base) प्रदान करता है।



सहयोग के प्रमुख स्तंभ

1. आर्थिक और विकास साझेदारी

- भारत इथियोपिया में दूसरा सबसे बड़ा विदेशी निवेशक है। यहाँ 650 से अधिक भारतीय कंपनियाँ सक्रिय हैं, जिनका निवेश लगभग 5 बिलियन अमेरिकी डॉलर है।
- द्विपक्षीय व्यापार (लगभग 550 मिलियन अमेरिकी डॉलर) में भारतीय निर्यात (दवाएँ, मशीनरी, स्टील) का दबदबा है, जबकि इथियोपिया ढालें, चमड़ा, मसाले और पत्थर निर्यात करता है।
- भारत ने बुनियादी ढांचे, ग्रामीण विद्युतीकरण और चीनी परियोजनाओं के लिए 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की 'लाइन ऑफ क्रेडिट' (LoC) प्रदान की है।

2. क्षमता निर्माण और प्रौद्योगिकी

- ITEC और ICCR छात्रवृत्तियों के तहत हर साल हजारों इथियोपियाई अधिकारियों और छात्रों को प्रशिक्षित किया जाता है।
- 'ई-विद्याभारती' और 'ई-आरोग्यभारती' के तहत सहयोग से डिजिटल शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच बढ़ी है।
- भारत के UPI और डिजिटल गवर्नेंस के अनुभव के आधार पर डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे (DPI) पर नया जोर दिया जा रहा है।

3. रक्षा, शांति स्थापना और सुरक्षा

- संयुक्त राष्ट्र शांति सेना प्रशिक्षण, आतंकवाद विरोधी अभियान और रक्षा क्षमता निर्माण में सहयोग।
- नियमित रक्षा वार्ताएं रणनीतिक विश्वास को संस्थागत बनाती हैं।



प्रमुख चुनौतियाँ

- **व्यापार असंतुलन:** इथियोपियाई निर्यात में मूल्य-संवर्धन (Value-addition) की कमी और व्यापार घाटा।
- **क्षेत्रीय अस्थिरता:** आंतरिक संघर्ष और क्षेत्रीय तनाव के कारण निवेशकों के विश्वास पर प्रभाव।
- **विदेशी मुद्रा और ऋण:** विदेशी मुद्रा की कमी और ऋण का दबाव इथियोपिया की वित्तीय क्षमता को सीमित करता है।
- **भू-आबद्ध भूगोल (Landlocked):** समुद्र तक सीधी पहुंच न होने के कारण लॉजिस्टिक्स लागत का अधिक होना।
- **प्रतिस्पर्धा:** चीन और खाड़ी देशों से कड़ी प्रतिस्पर्धा, जिनके पास वित्तीय संसाधन अधिक हैं।

आगे की राह

1. **व्यापार विविधीकरण:** कृषि-प्रसंस्करण (Agro-processing), परिष्कृत चमड़ा और फार्मास्यूटिकल्स जैसे क्षेत्रों में व्यापार का विस्तार करना।
2. **स्थानीय मुद्रा समझौता:** विदेशी मुद्रा की कमी को दूर करने के लिए स्थानीय मुद्रा निपटान तंत्र (Local Currency Settlement) का उपयोग करना।
3. **AfCFTA का लाभ:** 'अफ्रीकी महाद्वीपीय मुक्त व्यापार क्षेत्र' (AfCFTA) का लाभ उठाकर इथियोपिया को भारतीय फर्मों के लिए एक क्षेत्रीय विनिर्माण केंद्र बनाना।
4. **तकनीकी सहयोग:** नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल गवर्नेंस, AI (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) और कौशल विकास में सहयोग बढ़ाना।
5. **वैश्विक मंच पर समन्वय:** ब्रिक्स और अफ्रीकी संघ-भारत मंचों के माध्यम से ग्लोबल साउथ की आवाज़ को बलवन्त बनाना।

निष्कर्ष

भारत-इथियोपिया संबंध ऐतिहासिक सद्भावना से भविष्योन्मुखी रणनीतिक साझेदारी की ओर बढ़ रहे हैं। आर्थिक विषमताओं को दूर करके, डिजिटल सहयोग को गहरा करके और इथियोपिया की महाद्वीपीय भूमिका का लाभ उठाकर, भारत अफ्रीका में अपने दीर्घकालिक हितों को मजबूत कर सकता है।

UPSC प्रीलिम्स – अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. भारत-इथियोपिया संबंधों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इथियोपिया में अफ्रीकी संघ (African Union) का मुख्यालय स्थित है।
2. भारत, विशेष रूप से विनिर्माण और फार्मास्यूटिकल्स क्षेत्रों में, इथियोपिया के शीर्ष विदेशी निवेशकों में शामिल है।
3. इथियोपिया को हिंद महासागर तक प्रत्यक्ष पहुँच प्राप्त है, जिससे उसकी व्यापारिक कनेक्टिविटी बढ़ती है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

- A. केवल 1 और 2
B. केवल 2 और 3
C. केवल 1 और 3
D. 1, 2 और 3

सही उत्तर: A



प्रश्न 2. भारत-इथियोपिया सहयोग से संबंधित निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

पहल / क्षेत्र — संबद्ध विवरण

1. ITEC — इथियोपियाई अधिकारियों का क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण
2. AfCFTA — क्षेत्रीय विनिर्माण को सुगम बनाने वाला अफ्रीकी व्यापार ब्लॉक
3. UPI — वित्तीय समावेशन हेतु भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना
4. वादी अरबाह संधि — भारत-इथियोपिया रक्षा सहयोग समझौता

उपर्युक्त में से कौन-से युग्म सही सुमेलित हैं?

A. केवल 1, 2 और 3

B. केवल 1 और 3

C. केवल 2 और 4

D. 1, 2, 3 और 4

सही उत्तर: A



यूपीएससी मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न: “भारत-इथियोपिया संबंध ऐतिहासिक सद्भावना से आगे बढ़कर एक समकालीन रणनीतिक साझेदारी के रूप में विकसित हुए हैं।” इस संदर्भ में, भारत की अफ्रीका नीति के लिए इथियोपिया के रणनीतिक महत्व की समीक्षा कीजिए तथा उन प्रमुख चुनौतियों पर चर्चा कीजिए जो इस साझेदारी को सीमित करती हैं। उभरते भू-राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य में सहयोग को गहन बनाने हेतु आगे की राह सुझाइए। (उत्तर 150 शब्दों में)

Result Mitra
रिजल्ट का साथी



@resultmitra



www.resultmitra.com



9235313184, 9235440806

